लड़ाकू दंपत्ति

मैरी

ज्यादातर समय मिस्टर और मिसेज मुडले को एक ही चीज पसंद थी. उन्हें ब्रेड-बटर और बेसबॉल दोनों पसंद थे. उन्हें टेलीफ़ोन, टेलीस्कोप और टेलीविज़न सभी पसंद थे.

लेकिन एक बात पर मुडले दंपत्ति में घोर असहमति थी.
मिसेज मुडले को कारों से बेहद प्यार था. जबकि मिस्टर मुडले को कहीं भी चलकर जाना पसंद था. यह एक बड़ी समस्या थी.

अंत में मुडले दंपत्ति कैसे एक समाधान तक पहुँचते थे और कैसे आपस में समझौता करते थे, इससे बहुत कुछ सीखने को है.
इस पुस्तक को पढ़कर हर बच्चा खुश होगा और उसे यह भी पता चलेगा कि हम जो कुछ चाहते हैं वो हमें हर समय नहीं मिल सकता है.

लड़ाकू दंपत्ति

अध्याय 1

पहेली

मिस्टर और मिसेज मुडले शादीशुदा थे.

लेकिन एक बात थी
जिस पर वे असहमत थे.
मिसेज मुडले को कारें
पसंद थीं.
मिस्टर मुडले को उनसे
घृणा थी.

मिसेज मुडले को कार में ड्राइव करके
बाहर जाने से ज्यादा और कुछ भी पसंद
नहीं था. दूसरी ओर मिस्टर मुडले को
कहीं भी चलकर जाना पसंद था.
यह एक बड़ी समस्या थी.
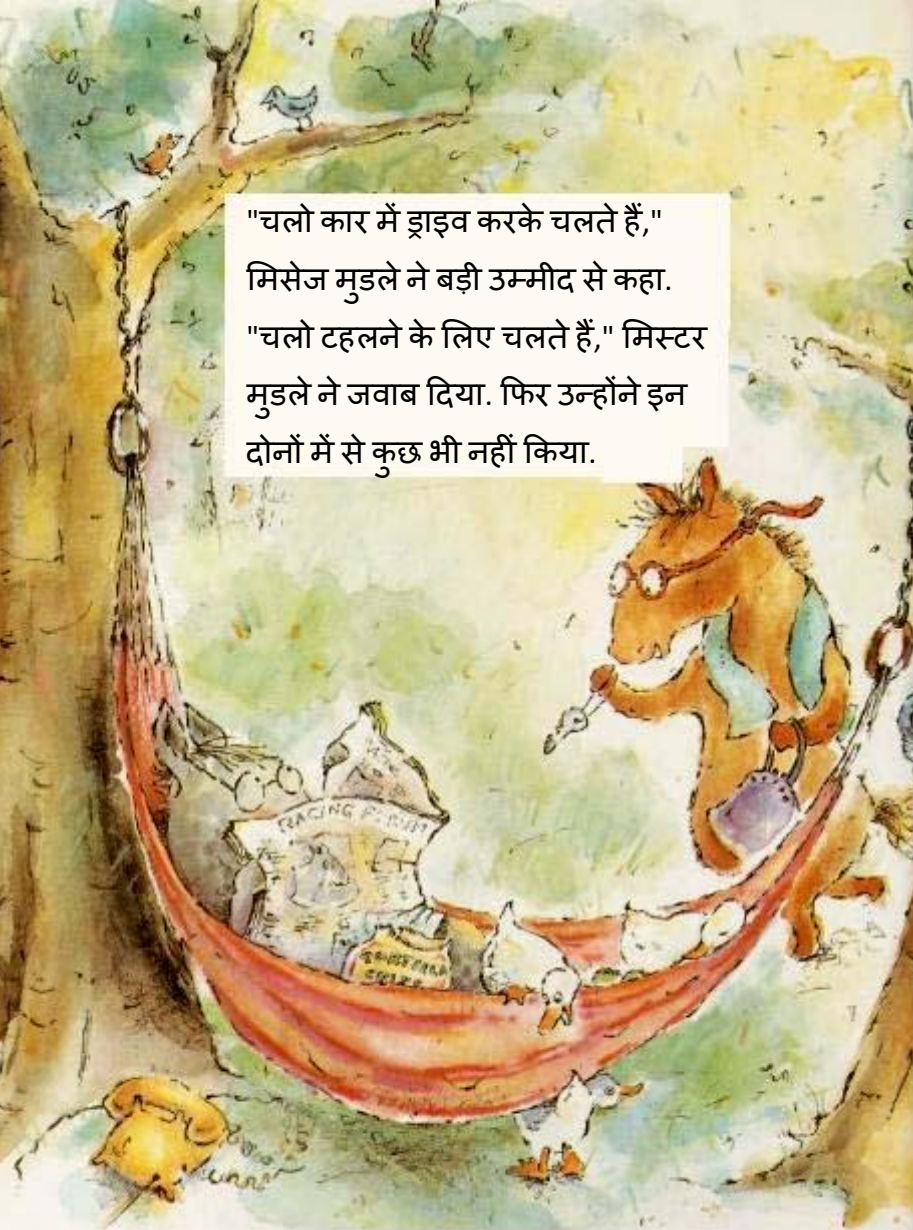
ज्यादातर समय उन्हें समान चीजें ही पसंद थीं.
उन्हें ब्रेड-बटर और बेसबॉल दोनों पसंद थे.
दोनों टेलीफोन, दूरबीन और टेलीविजन भी पसंद करते थे.

"चलो कार में ड्राइव करके चलते हैं,"
मिसेज मुडले ने बड़ी उम्मीद से कहा.
"चलो टहलने के लिए चलते हैं," मिस्टर
मुडले ने जवाब दिया. फिर उन्होंने इन
दोनों में से कुछ भी नहीं किया.
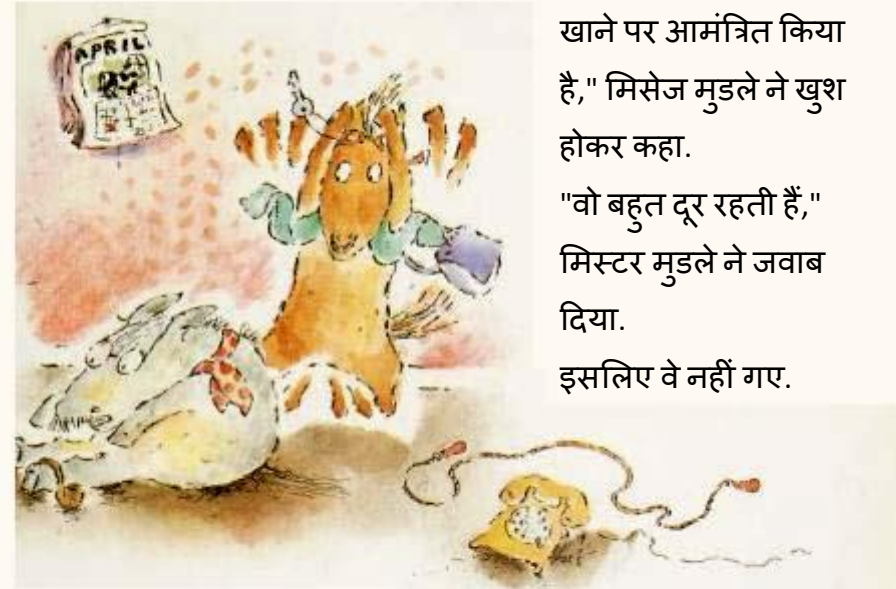
"बेसी मौसी ने हमें रात के
खाने पर आमंत्रित किया
है," मिसेज मुडले ने खुश
होकर कहा.
"वो बहुत दूर रहती हैं,"
मिस्टर मुडले ने जवाब
दिया.
इसलिए वे नहीं गए.

"चलो आइसक्रीम के लिए दुकान
पर टहलते हुए चलते हैं," मिस्टर
मुडले ने कहा.
"चलो ड्राइव करते हैं," मिसेज
मुडले ने उत्तर दिया.
इसलिए वे दोनों घर पर ही रहे.

घर पर एक साथ रहना अच्छा था.
लेकिन अगर वे साथ-साथ बाहर जाते
तो और भी ज़्यादा अच्छा होता.

"चलो एल्मर से सलाह लेते हैं," मिस्टर मुडले ने कहा.
"वो सब कुछ जानता है."
"कोई भी सब कुछ नहीं जान सकता है," मिसेज मुडले ने कहा.
"लेकिन एल्मर को काफी कुछ पता है."

मिसेज मुडले ने सुझाव दिया,"चलो उसके घर पर उससे पूछने ने
लिए ड्राइव करके चलते हैं."
"हम वहां पैदल चलकर जायेंगे," मिस्टर मुडले ने कहा.
"चलो उसे टेलीफोन करते हैं," मिसेज मुडले ने कहा.
"तुम बहुत स्मार्ट हो," मिस्टर मुडले ने कहा.
"अगर तुम कारों से इतना प्यार नहीं करतीं,
तो तुम एकदम आदर्श होतीं."
"हम उससे कहाँ मिलें?" मिसेज मुडले ने पूछा.
"चलो उसे यहीं आने के लिए कहते हैं," मिस्टर मुडले ने कहा.

"तुम बहुत चालाक हो," मिसेज मुडले ने कहा.
"अगर तुम्हें कारें पसंद होतीं तो तुम भी आदर्श होते."
"कोई भी आदर्श नहीं होता," मिस्टर मुडले ने कहा.
"लेकिन आदर्श के करीब होना अच्छा होगा."

अध्याय 2

मध्य
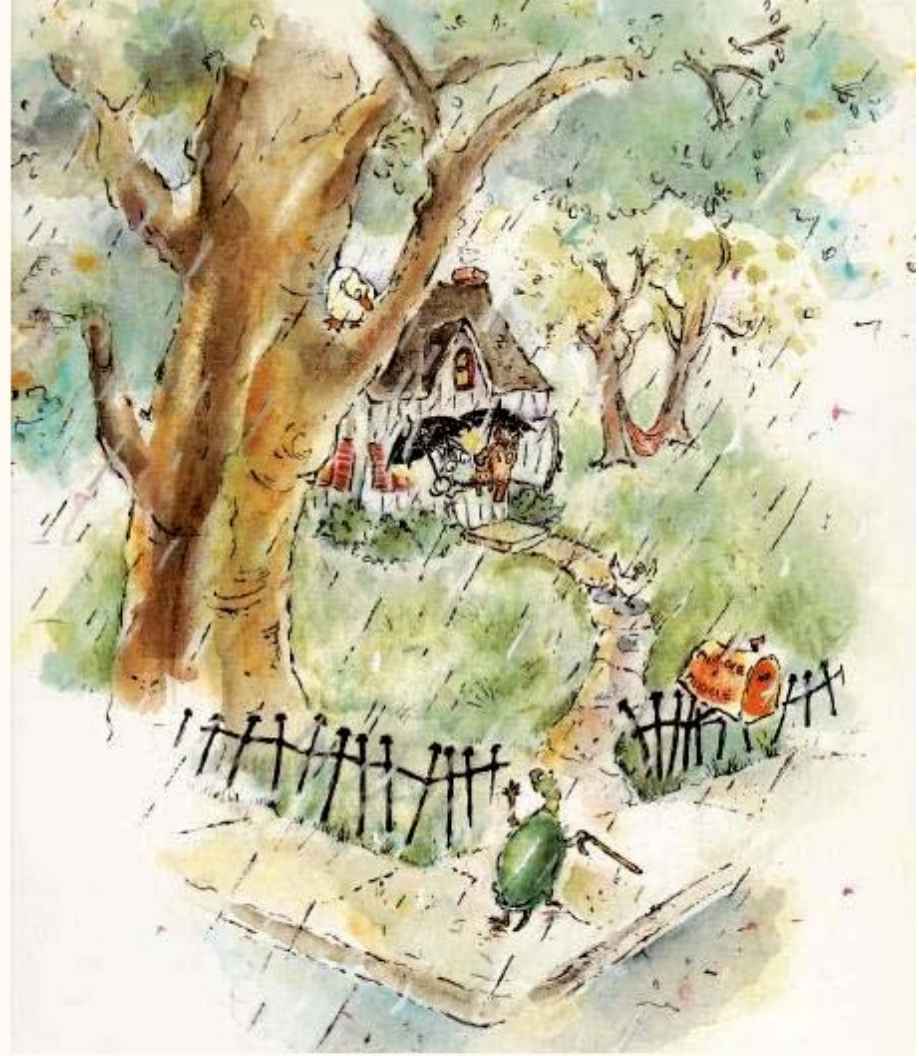
इतनी देर में एल्मर आ गया.

"क्या बात है?" उसने पूछा.
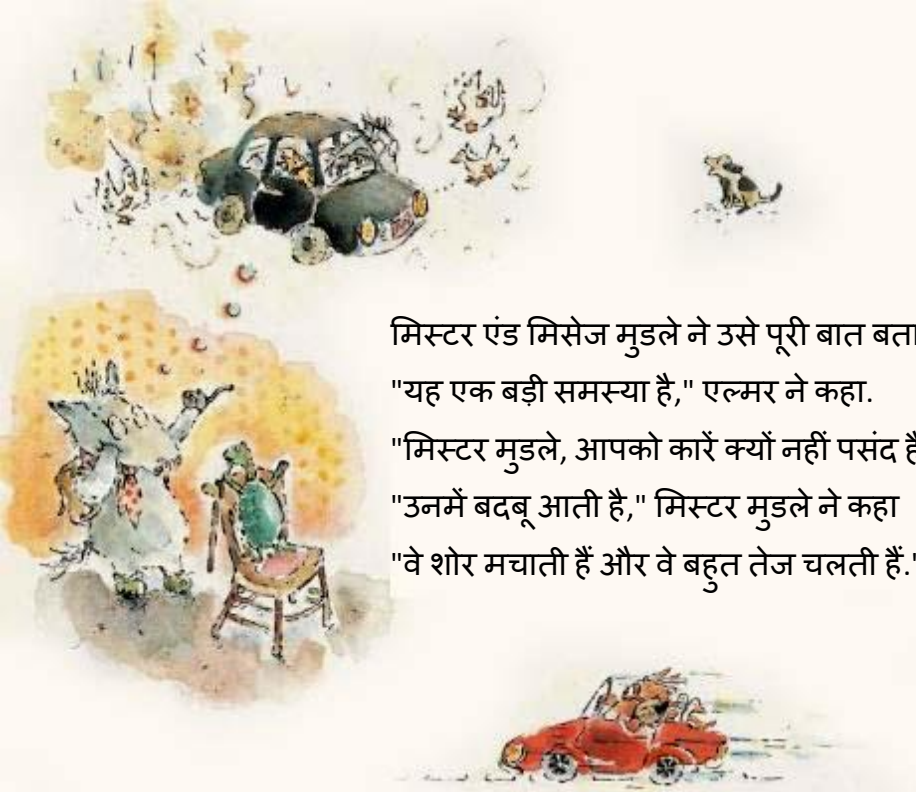
मिस्टर एंड मिसेज मुडले ने उसे पूरी बात बताई.
"यह एक बड़ी समस्या है," एल्मर ने कहा.
"मिस्टर मुडले, आपको कारें क्यों नहीं पसंद हैं?"
"उनमें बदबू आती है," मिस्टर मुडले ने कहा
"वे शोर मचाती हैं और वे बहुत तेज चलती हैं."

"वे सभी अच्छे कारण हैं," एल्मर ने कहा.
"मिसेज मुडले, आपको कारें क्यों पसंद हैं?"
"उनमें अच्छी खुशबू आती है," मिसेज मुडले ने कहा. "वे अच्छी आवाज करती हैं और वे बहुत तेजी से आगे बढ़ती हैं."

"वे सभी अच्छे कारण हैं," एल्मर ने कहा.
"मुझे कुछ देर सोचने दें."

अंत में सोच-समझ कर उसने यह कहा.
"आप सही हैं," उसने मिस्टर मुडले से कहा.
"और आप भी सही हैं," उसने मिसेज मुडले से कहा.
मिस्टर और मिसेज मुडले ने एक-दूसरे को देखा.
"हम दोनों एक-साथ कैसे सही हो सकते हैं?" उन्होंने पूछा.
"कभी-कभी ऐसा ही होता है," एल्मर ने कहा.
"लेकिन अगर हम दोनों सही हैं," मिसेज मुडले ने कहा,
"तो फिर हमारी समस्या का हल कहाँ है?"
"अगर आप दोनों सही हैं," एल्मर ने कहा,
"तो समस्या का हल कहीं बीच में ही होगा."

"कार की सवारी और टहलने के बीच में क्या है?"

मिसेज मुडले से पूछा.

"कारों और पैरों के बीच में क्या होगा?”

मिस्टर मुडले ने पूछा.

"सोचो," एल्मर ने कहा.

"ज़रा 'पोगो छड़ी' के बारे में सोचो?" मिस्टर मुडले ने कहा.

उन्हें 'पोगो छड़ी' पसंद थी.

"'पोगो छड़ी' पैरों का उपयोग करती है," मिसेज मुडले ने कहा.

"तुम ज़रा स्कूटर के बारे में सोचो?"

"स्कूटर में पहिए होते हैं," मिस्टर मुडले ने कहा.

"अच्छा अब हम किसी और चीज़ के बारे में सोचते हैं . . ."

"नाव!" मिसेज मुडले ऊपर और नीचे कूदती हुई चिल्लाईं.

"यही तो मैं कहने वाला था!" मिस्टर मुडले ने कहा.

"वो शब्द मेरी जीभ पर टिका था."

"कारें सब कुछ नहीं होतीं," मिसेज मुडले ने कहा.

"पैर भी सब कुछ नहीं होते," मिस्टर मुडले ने कहा.

"मैं आपकी कुछ मदद कर पाया इस बात की मुझे खुशी है," एल्मर ने कहा.

अध्याय 3

तालाब

फिर मिस्टर और मिसेज मुडले ने एक डोंगी खरीदी.

उन्होंने उसका नाम "पुडलजम्पर" रखा.

फिर उन्होंने लाल अक्षरों में डोंगी पर उसका नाम पेंट किया.

वे "पुडलजम्पर" को अपने घर के पास स्थित एक बड़े तालाब में ले गए.
तालाब गन्दा था.
"ओह!" मिसेज मुडले ने कहा. "कहीं गलती से हम तालाब में गिर गए?”
"चिंता मत करो," मिस्टर मुडले ने कहा.
"डोंगी को कैसे खेना है, यह मुझे पता है." वे डोंगी में अंदर गए.
मिस्टर मुडले का सर चकराने लगा.
"शायद मुझे भी उस डोंगी को खेना चाहिए," मिसेज मुडले ने कहा.
"नहीं," मिस्टर मुडले ने दृढ़ता से कहा. फिर उन्होंने अपने चप्पू को
तालाब में ज़ोर से मारा. डोंगी हिलने लगी.

"अरे, यह तो बड़ी मजेदार है!" मिसेज ने कहा.
"जब हम तालाब के दूसरी तरफ पहुंच जाएँ तो तुम मुझे जगाना."
मिस्टर मुडले चप्पू मारते रहे. "क्या हम अब वहां पहुँच गए हैं?"
मिसेज़ मुडले से पूछा लेकिन मिस्टर मुडले ने कोई जवाब नहीं दिया.

मिसेज़ मुडले ने आँखें खोलीं
"लगता है हम गोल-गोल चक्कर लगा रहे हैं!"
"मैंने सोचा कि तुम चप्पू चलाना जानते हो!"
"मैं वो अच्छी तरह जानता हूँ," मिस्टर मुडले ने कहा.
"ज़रा मुझे भी कोशिश करने दो,"
मिसेज मुडले ने कहा.
फिर उन्होंने भी एक चप्पू लिया
और उसे पानी में डाला.
"अब हम आगे बढ़ रहे हैं!" उन्होंने कहा.
"अब हम उल्टे चक्कर में घूम रहे हैं,"
मिस्टर मुडले ने कहा
"ओह, प्रिय!" मिसेज मुडले ने कहा. "तुमने बिल्कुल
सही कहा. मुझे आश्चर्य है कि ऐसा क्यों हो रहा है?"

"क्या कुछ गलत है?" किसी ने कहा.
वो एल्मर था. वह तालाब में तैर रहा था.
उसे गंदे पानी से इतना परहेज़ नहीं था.
मिस्टर और मिसेज मुडले ने एल्मर को अपनी समस्या बताई.
"जब मैं अपनी तरफ से चप्पू चलाता हूं," मिस्टर मुडले ने कहा,
"तब हम एक दिशा में गोल चक्कर खाते हैं."
"और जब मैं अपनी तरफ से चप्पू चलाती हूं,"
मिसेज मुडले ने कहा. "तब हम दूसरे दिशा में गोल-गोल घूमते हैं."
एल्मर ने लंबे समय तक सोचा.
"इसका जवाब कहीं बीच में ही होगा," उसने आखिर में कहा.
फिर वो तैर कर दूर चला गया.
"वह हमेशा ऐसा ही कहता है," मिसेज मुडले ने कहा.

"इस बार बीच में क्या है?" मिस्टर मुडले से पूछा.
"चलो हम दोनों एक साथ चप्पू चलाते हैं?” मिसेज मुडले ने जवाब दिया.
"चलो यह कोशिश करते हैं!" उन्होंने एक साथ कहा.
मिस्टर मुडले ने चप्पू को अपनी ओर से चलाया.
मिसेज़ मुडले ने अपने चप्पू को अपनी ओर से चलाया.
"अब हम सीधे आगे बढ़ रहे हैं!" मिस्टर मुडले ने कहा.
"हुर्रे!" मिसेज मुडले चिल्लाईं.
"कृपा कर ऊपर-नीचे उछल बंद करो!" मिस्टर मुडले चिल्लाए.

मगर तब तक बहुत देर हो चुकी थी.
"अब हम किनारे की ओर जायेंगे!" मिस्टर मुडले चिल्लाया.
"ठीक है अब हम किनारे की ओर जायेंगे!" मिसेज़ मुडले चिल्लाईं.
फिर दोनों ने वही किया.

"तुम गलत ओर जा रही हो," मिस्टर मुडले ने कहा. "इधर आओ."
'नहीं, तुम गलत रास्ते जा हैं," मिसेज़ मडले ने कहा. "तुम इस तरफ आओ."
पर उन दोनों में से कोई भी नहीं हिला.
"कृपया यहाँ आओ," मिसेज़ मुडले ने कहा.
"कृपया यहाँ आओ," मिस्टर मुडले ने उत्तर दिया.
पर वे वहीँ रहे, जहां वे थे.

"अगर तुम आधी दूर तैरोगी तो मैं भी आधी दूर तैरूंगा,"
मिस्टर मुडले ने कहा.
"ठीक है," मिसेज मुडले ने कहा. इसलिए वे दोनों आधी-आधी
दूर तैरे और फिर वे बीच में मिले.

उन्होंने 'पुडलजम्पर' को पलटा और उसके अंदर चढ़े. और फिर वे दोपहर का भोजन करने के लिए चप्पू चलाकर अपने घर गए.

समाप्त